वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत
एम.ए. हिंदी
सेमेस्टर- 4

(2023-2024, 2024-2025, 2025-2026 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र -16. हिंदी भाषा Core Course-16

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

इकाई-1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ-वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ,मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ- पालि, प्राकृत-शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी अपभ्रंश और विशेषताएँ, आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण।

इकाई-2. हिंदी की उपभाषाएँ और देवनागरी लिपि :हिंदी का भौगोलिक विस्तार-हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी,बिहारी तथा पहाडी और उनकी बोलियाँ, खडीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ, देवनागरी लिपि-विशेषताएँ और मानकीकरण।

इकाई-3. हिंदी का भाषिक स्वरूप :
हिंदी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार,हिंदी के स्वर तथा व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण
हिंदी के विविध रूप-हिंदी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी।
हिंदी भाषा-प्रयोग के विविध रूप-बोली, मानक भाषा, संपर्क-भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, यांत्रिक भाषा।संचार-भाषा के रूप में हिंदी की उपलब्धियाँ।

इकाई-4. हिंदी कम्प्यूटीकरण :कम्प्यूटर में हिंदी के विभिन्न प्रयोग-आंकडा-संसाधन और शब्द-संसाधन, वर्तनी-शोधक, मशीनी अनुवाद, हिंदी भाषा-शिक्षण।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास-डॉ.उदयनारायण तिवारी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
२. हिंदी भाषा का इतिहास-डॉ.भोलानाथ तिवारी (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
३. हिंदी भाषा और नागरी लिपि-डॉ.भोलानाथ तिवारी
४. भारतीय आर्यभाषा और हिंदी-सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
५. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग-विजयकुमार मल्होत्रा
६. हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप-अंबा प्रसाद सुमन
७. राजभाषा हिंदी-डॉ.कैलाशचंद्र भाटिया (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
८. राजभाषा का स्वरूप-कैलाशचंद्र भाटिया (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
९. आर्य और द्रविड भाषा-परिवारों का संबंध-डॉ.रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

****

दि.21/11/2023

डॉ.सतीशपटेल

प्रश्नपत्र – 17. हिंदी साहित्य का इतिहास Core Course-17

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई- 1. हिंदी गद्य का उद्भव और विकास, सन् १८५७ ई. की राज-क्रांति और पुनर्जागरण।

भारतेन्दु और उनका युग, महावीरप्रसाद द्विवेदी और उनका युग,राष्ट्रीय काव्य-धारा के प्रमुख कवि,स्वच्छंदतावाद और उसके प्रमुख कवि,छायावादी काव्य-प्रमुख साहित्यकार, प्रगतिवाद की अवधारणा, प्रगतिवादी काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रयोगवाद, नई कविता, नई कविता के कवि, समकालीन कविता (वर्ष 2000 तक) के प्रमुख साहित्यकार,रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई- 2. हिंदी उपन्यास- प्रेमचंद पूर्व उपन्यास, प्रेमचंद और उनका युग, प्रेमचंद के परवर्ती उपन्यासकार (वर्ष 2000 तक),हिंदी कहानी-20वीं सदी की हिंदी कहानी, प्रमुख कहानी आंदोलन एवम् प्रमुख कहानीकार, नाटक-हिंदी नाटक का विकास-स्वातंत्र्योत्तर युग, साठोत्तर युग एवम् नया नाटक
प्रमुख नाट्यकृतियाँ एवम् नाटककार (वर्ष 2000 तक)।

इकाई- 3. हिंदी निबंध-प्रमुख निबंधकार।

आलोचना-समकालीन हिंदी आलोचना, प्रमुख आलोचक।
हिंदी का प्रवासी साहित्य-अवधारणा एवम् प्रमुख साहित्यकार।

इकाई-4. अन्य विधाएँ- संस्मरण,रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा,रिपोर्ताज का विकास।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी)
२. हिंदी साहित्य का इतिहास डॉ.नगेन्द्र (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली)
३. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.नामवर सिंह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
४. हिंदी साहित्य-उद्भव और विकास-डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
५. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-2 डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
६. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
७. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.बच्चन सिंह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
८. हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
९. हिन्दी साहित्य का इतिहास पुनर्लेखन की आवश्यकता-पुखराज मारू (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
१०.हिन्दी आलोचना : समकालीन परिदृश्य-कृष्णदत्त पालीवाल (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
११.हिन्दी आलोचना की बीसवीं सदी-निर्मला जैन (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

****

दि.21/11/2023

डॉ.सतीशपटेल

प्रश्नपत्र -18. भारतीय साहित्य Core Course-18

पाठ्य-पुस्तकें :

1. संस्कार-यू.आर.अनंतमूर्ति (कन्नड़ उपन्यास) राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. भारत के अमर क्रांतिकारीः वीर सावरकर-डॉ.भवानसिंह राणा
   (डायमण्ड पब्लिकेशंस, दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. संस्कार-यू.आर.अनंतमूर्ति

यू.आर.अनंतमूर्ति व्यक्तित्व और कृतित्व, 'संस्कार' कथावस्तु और शीर्षक की सार्थकता का मूल्यांकन, 'संस्कार' प्रमुख पात्र-प्राणेशाचार्य, नारणप्पा, पुट्ट, चन्द्री, 'संस्कार' का शिल्प-पक्ष।

इकाई-2. वीर सावरकर- डॉ.भवानसिंह राणा

'वीर सावरकर' का साहित्यिक स्वरूप

वीर सावरकर: प्रथम क्रांतिकारी

'वीर सावरकर': एक हिंदू राष्ट्रवादी

'वीर सावरकर': में व्यक्त सावरकर-दर्शन।

इकाई- 3. 'संस्कार' उपन्यास के गौण पात्रों का चित्रण, 'संस्कार' शीर्षक की सार्थकता, 'संस्कार' का देश काल-वातावरण, 'संस्कार' की संवाद योजना,

इकाई- 4 . जीवनी का स्वरूप। जीवनी, साहित्य में 'वीर सावरकर' का स्थान।

'वीर सावरकर' शीर्षक की सार्थकता, 'वीर सावरकर' का भाषा -शिल्प |

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. भारतीय उपन्यास की अवधारणा और रघुवीर चौधरी का सृजन-संपा.आलोक गुप्त (पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद)
२. गुजराती नवलकथा-रघुवीर चौधरी एवम् राधेश्याम शर्मा (गुजरात ग्रंथ निर्माण बोर्ड, गांधीनगर)
३. गुजराती नवलकथामां पात्र-निरूपण-रमेश दवे
४. भारतीय साहित्यः तुलनात्मक अध्ययन-सं.डॉ.ब्रजेश्वर वर्मा (विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
५. भारतीय उपन्यास परंपरा और ग्राम केन्द्री उपन्यास- भोलाभाई पटेल (पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद)
६. भारतीय साहित्य- डॉ.पाण्डेय-डॉ.अवस्थी (आशीष प्रकाशन, कानपुर)
७. कला, साहित्य और संस्कृति-ई-एम.एस.नम्बूदरीपाद (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
८. भारतीय साहित्य-मूलचन्द गौतम (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
९. भारतीय साहित्य की भूमिका-रामविलास शर्मा (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
१०. मराठी साहित्य-परिदृश्य-चमदिरकांत बांदिवडेकर (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
११. समकालीन उपन्यासों का वैचारिक पक्ष-डॉ.अर्जुन चव्हाण (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
१२. ज्ञानपीठ पुरस्कृत नवलकथा-डॉ.भरत महेता गुजरात साहित्य अकादमी, गांधीनगर

****

दि.21/11/2023

डॉ.सतीशपटेल

प्रश्नपत्र – 19. A. आदिवासी साहित्य Core Course-19

पाठ्य-पुस्तकें :

1. नगाडे की तरह बजते हैं शब्द-निर्मला पुतुल (संताली कविताएँ) (भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली)
2. धूणी तपे तीर-हरिराम मीणा

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. नगाडे की तरह बजते हैं शब्द- निर्मला पुतुल

'नगाडे की तरह बजते हैं शब्द' में आदिवासी समाज की पीड़ा, अत्याचार शोषण के ख़िलाफ़ आवाज़, 'नगाडे की तरह बजते हैं शब्द' में वर्तमान आदिवासी, समाज की संवेदना, 'नगाडे की तरह बजते हैं शब्द' में स्वयं के अस्तित्व की तलाश करती आदिवासी स्त्री

इकाई-2. धूणी तपे तीर-हरिराम मीणा

'धूणी तपे तीर' में ऐतिहासिकता, 'धूणी तपे तीर': एक स्वातंत्र्य-संघर्ष के आख्यान के रूप में, गोविन्द गुरु का चरित्रांकन, 'धूणी तपे तीर': आदिवासियों के विद्रोह और नरसंहार की कथा।

इकाई-3. आदिवासी साहित्य की अवधारणा, प्रमुख आदिवासी साहित्यकार, आदिवासी साहित्य की विशेषताएँ।

इकाई-4. 'नगाडे की तरह बजते हैं शब्द' में सभ्य शहरी समाज पर व्यंग्य,

'नगाडे की तरह बजते हैं शब्द' में पुरुष व्यवस्था के प्रति विद्रोह,

'नगाडे की तरह बजते हैं शब्द' शीर्षक की सार्थकता,

'धूणी तपे तीर' का उद्देश्य और शीर्षक, सम्प सभा, पूंजा धीर का पात्र।

अंक-विभाजनः

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब) (07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. आदिवासी स्वर और नई शताब्दी संपा.रमणिका गुप्ता (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
२. आदिवासी साहित्य विमर्श-गंगा सहाय मीणा (अनामिका पब्लिशर्स एण्ड ड्रिस्ट्रीब्यूटर, नई दिल्ली)
३. हिंदी में आदिवासी साहित्य-डॉ.इस्पाक अली (साहित्य संस्थान गाजियाबाद)
४. इस्पातिका, आदिवासी विशेषांक,वोलियम 1, जमशेदपुर
५. उपन्यासों में आदिवासी भारत-रमेशचंद्र मीणा (अलख प्रकाशन, जयपुर)
६. आदिवासी समाज और हिंदी उपन्यास- मनीष कुमार गुप्ता, अनुसंधान पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, कानपुर
७. आदिवासी साहित्यः परंपरा और प्रयोजन-वंदना टेटे (न्नोशन प्रेस)
८. आदिवासी दर्शन और साहित्य- वंदना टेटे (न्नोशन प्रेस)
९. आदिवासी समाज, साहित्य और राजनीति-केदार प्रसाद मीणा (अनुज्ञा प्रकाशन)

दि.21/11/2023

डॉ.सतीशपटेल

प्रश्नपत्र- 20. पत्रकारिता – प्रशिक्षण Core Course- 20

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

इकाई-1. विश्व पत्रकारिता का उदय, भारत में पत्रकारिता का प्रारंभ एवम् साहित्यिक पत्रिकाएँ।
प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

इकाई-2. समाचारपत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना, समाचार के विभिन्न स्रोत।
दृश्य-सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, गैफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता।
पत्रकारिता से संबंधित लेखन-संपादकीय, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फॉलोअप) आदि की प्रविधि।

इकाई-3 इलैक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता-रेडियो, टी.वी., वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता, प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण-कला, प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ सज्जा।
पत्रकारिता का प्रबंधन-प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था।

इकाई-4. मुक्त प्रेस की अवधारणा, लोक-संपर्क तथा विज्ञापन, प्रसार-भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी ।

अंक -विभाजन-

प्रश्न 1. पठित इकाईयों से पाँच (आठ में से) बहुविकल्पी प्रश्न (5×2=10 अंक)

प्रश्न 2 और 3. इकाई 1 और 2 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (13 x 2 = 26 अंक)

प्रश्न 4. इकाई 3 और 4 से एक – एक टिप्पणी का प्रश्न (अ) और (ब)(07 x 2 = 14 अंक)

सहायक ग्रंथ :

१. हिंदी पत्रकारिता का बृहद् इतिहास-अर्जुन तिवारी (वाणी प्रकाशन)

२. हिंदी पत्रकारिताःस्वरूप और संदर्भ-विनोद गोदरे(वाणी प्रकाशन)

३. इलैक्ट्रॉनिक मीडिया-पी.के.आर्य (प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली)

४. फीचर लेखनःस्वरूप और शिल्प-डॉ.मनोहर प्रभाकर(राधाकृष्ण प्रकाशन)

५. समाचार संपादन-कमल दीक्षित, महेश दर्पण (राधाकृष्ण प्रकाशन)

६. पत्रकारिताःविविध विधाएँ-डॉ.राजकुमारी रानी (जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

७. पत्रकारिताः मिशन से मीडिया तक-अखिलेश मिश्र (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

८. भारतीय इलैक्ट्रॉनिक मीडिया-देवव्रत सिंह (प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली)

९. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता-डॉ.हरिमोहन

१०.संपादन कला एवम् प्रूफ पठन-डॉ.हरिमोहन

११.स्वाधीनता-आंदोलन और स्त्री-मुक्ति-संघर्ष में 'चाँद' का योगदान-डॉ.ज्योति सिंह (उत्कर्ष प्रकाशन, दिल्ली)

१२.आधुनिक विज्ञापन और जन संपर्क-डॉ.तारेश भाटिया

१३.पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ-डॉ.भोलानाथ तिवारी

==========

दि.21/11/2023

डॉ.सतीशपटेल